

साप रै डौंसणे दि आमु का जा कौरणै



Bangani

साप रै डौंसणे दि आमु का जा कौरणै

Bangani
uttarkashi, uttrakhand, india

For permission to reuse, contact the copyright holder.

Big book in Bangani language
Community based Book

परकाशण:-

NLCI

बंगाणी मसी समिति समू

दो बात

यह किताब बंगाली भाषा में बनायी गयी है। इस किताब में एक कहानी है जिसे 10-12 पेजों में बनाया गया है और हर पेज में लगभग 2-3 वाक्य है। इस किताब में हर एक वाक्य के अनुसार चित्र भी डाला गया है। इन चित्रों के आधार से पढ़ने वाला कहानी बता सकता है और पढ़ाने वाला कहानी सुना सकता है। इस पुस्तक का उपयोग साक्षरता कार्यक्रम में किया जाता है। यह किताब बड़े ही आसान और बहुत ही कम शब्दों में और बहुत सरल रीति से बनायी गयी है। ताकी जो लोग पढ़ने की शुरूआती स्तर में हैं वह आसानी से इस कहानी को अपनी अपनी मातृ-भाषा में पढ़के आसानी से समझ सकें और अपनी मातृ-भाषा में पढ़ने और लिखने का प्रयास कर सकें।

॥धन्यवाद॥



एक गाउँ रै नौज़िक दि औरै बौरै डोखरै
औज़ि ज़ागळ थौ, तेस ज़ागळेदि बौरी
साप रौयैण थै। औज़ि लिगु कै काफी बौरै
डोखरौउँदि बी साप मिलै। एक दूस बबलु
डोखरेदि खेलदै डैऔ। तेत्कै तेत्राइ ज़ाड़ी
कौइ एक साप आऔ।



सापेइ बबलु बांगणै कौइ डोंसौ, बबलु
ज़ोरै-ज़ोरै लौलियान्दै लागौ। गाउँ रै लोग
दौड़ियौइ तेसकाइ डै। तेस देखियौ सारै
गौबराइ मौरै कि ऐबै आमैं का कौरी।



कुछ लोगु बोलौ, ताबीज़ औज़ि तंत्र मंत्र
कौराओ। कुछ बोल्दै लागै कि गाऽव
काइ छुरी कौइ काटौ औज़ि ज़ैरेइ चुशियौ
गाड़ौ, गाउँ रौ गुरज़िएइ बोलौ कि आमु
एशौ ना कौरणै चाइं एसकौइ आपखी
खौतरौ औइ सौकै। आमु सौइ तौरिकौ
औपनाणै चाइं।



औगौणिकै तिउँ बबलु चुप कौराऔ,
केलाकि डौरनै औज़ि बागणै कौइ ज़ैर
सौकाळी फैलै। गुरज़िएइ बोलौ कि एस
इलणै ना दैऔ। एस दौनि पाऔ लाम्बौ।



गुरज़िएइ तेत्राइ फोन कौइ एम्बुलेंस रवी
फोन कियौ, औज़ि तेथिकै नौज़िक रै
औस्पताल दि डौक्टर रवी बी फोन कियौ,
केलाकि बौक्तेदि डौक्टर मिलणौ बौरी
ज़ौरूरी औयै। ताकि सेउ ज़ान बौचाइ
सौकै लौ।



तैबै गुरज़िएइ बबलु रौ बांगणौ देखौ, तिणी
गाऽव एक टौलियार कौए देणौ बानी।
ताकि ज़ैर आराम कौइ फैलै लौ। तिउं
एसरौ बी दियान थौ कि खुन ना चाइं
रुकी।



तिउँ बबलु कौइ पाणी पियाऔ पर कोइ
बी दुवाइ ना लाई। गुरज़िएइ बोलौ कि
कोइ बी गौरुवा ज़ौड़ी बुटी ना लाऔ।
तेल, माटौ औज़ि रसायन लाणै कौइ गाऽव
बिगड़ी सौकै। खाली साफ पौटी औज़ि
आराम सारिउँ कौइ बौड़िया उपाय।



गाउँ कुछ लोग बार-बार एशौ रौयै थै
बोल्दै लागी कि ज़ैरेइ चुशौ। पर गुरज़िएइ
बोलौ कि एसकौइ दुइयाउँ खी खौतरौ ज़ौ
ज़ैरेइ चुशै लै तै सेउ ज़ैर खाबै पोरु डै।
एज़ि बौज़ै कौइ दुइयाइँ री ज़ान खौतरे दि
पौड़ी सौकै।



लोगु एशौ बोल्दै लागै कि आमै बबलु
दौडाइयौ डौक्टर काइ गिणी। गुरज़िएइ
बोलौ कि ना आं एऊ बिल्कुल गलत
दौड़नै कौइ ज़ैर सौकाळी फैलै। आमै एशौ
कौरी सौकिण कि एस चारमाइं माइं
लाम्बौ पाइयौ टिपियौ नी सौकिण।



कुछ लोग पुछदै लागै कि का आमै
एसखि नींबू, दूद या थौड़ी ज़ाड़ सूर देई
सौकी। गुरज़िएइ साफ मौना कौरी आमु
एशौ ना कौरणै च़ाड़, ऐ चिज़ै शौरीरेइ
कमज़ोर कौरी दैण। सापै रौ टुकौन्दौ
माणुछ खाली डौक्टर री दुवाइ कौइ ठीक
औई सौकै।



औस्पताल दि पीचुणै बासियै डौक्टरेइ
एंटी-वेनम इंजेक्शन लाऔ। बबलु आराम
आराम कौइ ठीक औन्दै लागौ। डौक्टरेइ
बोलौ कि बौक्तेदि इलाज़ मिलणे री बौजै
कौइ एसरी ज़ान बौचि गाउँ रै लोग एशौ
शुणियौ खुश उवै।



ऐबै गाउँ रै लोग बी चौकशि रौ रौन्दै
लागै। सै डोखरेदि बौड़ै बौड़ै गमबुट
लाइयौ डैण थै। औज़ि सारै लोगु एशौ बी
शिकौ कि तंत्र मंत्र औज़ि गलत इलाज
खौतरनाक औई सौकै बौड़िया इलाज़
औस्पताल दि इ औई सौकै। जेसकौइ
आमारौ ज़ान बौचै।

For the Teacher

This Big Book is designed to be used for two weeks. It promotes enjoyment of storybooks, development of vocabulary, the skills of prediction, sequencing and main idea, and the understanding that books are made up of words.

On **Monday**, the teacher

- shows everyone the cover of the book
- reads the title, while moving a finger under it
- turns to the first page, and discusses the picture (asks the children to predict what will happen)
- reads the text on the first page, fluently (not slowly), and
- asks the children what they think they will see on each page. (The teacher is the only one “reading.”)

On **Tuesday**, the teacher

- shows everyone the book, and
- reads the story again, following the words with a finger, without as much discussion of the pictures.

On **Wednesday**, the teacher

- invites children to join in with “reading” when the story comes to parts which are familiar to them
- shows a flashcard from the story and tells the class what the card says, and
- invites children to find the same word in the storybook (or to match the card with the word in the book to see if it is the same)

On **Thursday**, the teacher

- points smoothly to the words in the story and lets some volunteers “read” a page, if they can remember the story by now, and
- lets the children match the flashcards to the words in the story.

On **Friday**, the children

- act out (dramatize) the story as others help the teacher “read” it.

यह किताब NLCI के द्वारा तैयार की गई है।

हम मात्रभाषा में साक्षरता कार्यक्रम करते हैं। जिसके अन्तर्गत हम अपने क्षेत्र में अलग अलग भागों में शिक्षा देते हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि, हमारे क्षेत्र के असाक्षर लोग और बच्चे साक्षर हो सकें।

और पढ़ लिख कर अपने समाज का विकास कर सकें।

हम जानते हैं कि हमारे क्षेत्र के अधिकतम लोग बोल-चाल में हो या काम-काज में हर स्थान पर अपनी मात्रभाषा का उपयोग करते हैं। इसलिए हम अपने क्षेत्र के लोगों के लिए जो भी पाठ्य सामग्री तैयार करते हैं। उसे उन्हीं की मात्रभाषा में तैयार करते हैं। जिससे उन्हें पढ़ने और लिखने में आसानी हो और वो जल्दी ही पढ़ना और लिखना सीख सकें।

हम अपनी संस्था में साक्षरता के द्वारा मात्रभाषा में वयस्क शिक्षक ही नहीं चलाते बल्कि, अपने क्षेत्र में पढ़े-लिखे लोगों के लिये तथा बच्चों के लिये भी अलग-अलग तरह की पाठ्य सामग्री भी उन्हीं की मात्रभाषा में उपलब्ध कराते हैं। जिससे कि बच्चे अपने बचपन से ही अपनी मात्रभाषा को महत्व दें जिससे हमारी भाषा लुप्त ना हो। हम प्रार्थना करते हैं कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ लिख सकें और हमारे क्षेत्र का और अधिक विकास हो सकें।

.....,धन्यवाद,.....

